Literacy for a Billion

Movie: Welcome
Year: 2007

Song: Honth Rasiley
Lyricist: Anand Raj Anand

पंखुडियाँ ये गुलाब की सी हैं
हाए मस्तियाँ ये शराब की सी हैं
हे हे हे
पंखुडियाँ ये गुलाब की सी हैं
मस्तियाँ ये शराब की सी हैं
लोग मेरी अदा पे मरते हैं
जान मुझपे निसार करते हैं
तो आजा तो आजा तो आजा
साथ जी ले
होंठ रसीले तेरे होंठ रसीले
होंठ रसीले तेरे होंठ रसीले
दिल कहता है मेरा ये रस पी ले
होंठ रसीले तेरे हा हा...
वाह वा वा वा क्या शवाब
लुट गए रे दिल के नवाब
लाजवाब
जाम जब ये छलकने लगता है
हाए
जो भी देखे बहकने लगता है
जाम जब ये छलकने लगता है
जो भी देखे बहकने लगता है
शहर में हर तरफ़ है ये चर्चा
तेरा जलवा बला का है जलवा
मेरी अदाएँ सबसे निराली
दिल को हिला के रखने वाली
दिवाने हैं तेरे सारे छैल छबीले
होंठ रसीले तेरे
होंठ रसीले तेरे होंठ रसीले
होंठ रसीले तेरे होंठ रसीले
दिल कहता है मेरा ये रस पी ले
होंठ रसीले तेरे होंठ रसीले

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.